वाडी विकास कार्यक्रमो का अवलोकन

बांसवाड़ा : 13 मार्च 2015

नाबार्ड द्वारा अनुदानित एवं ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा संचालित वाड़ी विकास कार्यक्रमों का अवलोकन नाबार्ड जयपुर के उपमहाप्रबन्धक डॉ. सुरेन्द्र बाबु द्वारा किया गया। इस दौरान गांव वडलीपाड़ा में किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ. सुरेन्द्र बाबु ने कहां कि किसानों को अपनी सोच एवं समझ में बदलाव कर दृढ़ इच्छा शक्ति से कार्य कर अपने परिवार एवं राष्ट्र के विकास में भागीदार बने। उन्होने कहां कि नाबार्ड वाड़ी कार्यक्रम केवल पौधा रोपण कार्यक्रम ही नहीं इसके साथ शिक्षा, स्वास्थ, रोजगार, पशुपालन, फसल उत्पादन में सकारात्मक बदलाव का कार्यक्रम है जिससे परिवार की सामाजिक एवं आर्थिक वृद्धि हो। डॉ. सुरेन्द्र बाबु ने किसानों को नाबार्ड द्वारा किये जा रहे विकासात्मक कार्यो का उदाहरण देते हुए बताया कि झांसी जिले में स्वयं सहायता समूह के महिलाओं एवं किसान क्लबो के द्वारा माला निर्माण व होसंगाबाद में मुर्गी पालन एवं कृषि रक्षा ईकाइ अन्तर्गत दुकान से महिलाए 50000 से अधिक आय कर रही है। अतः हमें खेती के साथ–साथ अन्य गतिविधियो से जुडकर सरकार एवं नाबार्ड की योजनाओ का लाभान्वित होना होगा।

डॉ. सुरेन्द्र बाबु द्वारा जिले में वडलीपाड़ा, सोडलीया, डामरवासा, लिमखोरा व हडमतीया आदि गांवो में वाड़ी अन्तर्गत किए गए वाडीया, सब्जी उत्पादन जल प्रबन्धन आदि कार्या का अवलोकन कर किसानों से चर्चा की अवलोकन के दौरान वडलीपाड़ा के किसान सेवला भाई ने बताया की 2010 में मैने वाड़ी परियोजना अन्तर्गत 35 आम व निम्बू के पौधे लगाये वर्तमान में सभी जीवित है तथा मैने वर्तमान में टमाटर से लगभग 15000 रु. आय प्राप्त की।

इस दौरान ग्रामीण विकास ट्रस्ट के जिला कार्यक्रम प्रबन्धक एच. के. तोमर ने उपस्थित सभी अधिकारीयो का स्वागत किया एवं नाबार्ड के सहयोग से संस्था द्वारा संचालित वाड़ी परियोजना के सम्बन्ध में विस्तार से बताया। उदयलाल गुर्जर कार्यक्रम प्रबन्धक, दुर्गेश त्रिपाठी जिला परियोजना समन्वयक, नरेन्द्र नागर वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी, अनिल जैन कार्यक्रम अधिकारी, दिनेश जैन, नानुराम, दिनेश, जीतमल, आदि ने भाग लिया।

एच. के. तोमर
जिला कार्यक्रम प्रबंधक

Glimpses of the Event and Media Coverage

नाबार्ड जयपुर के उप महाप्रबंधक ने किया वाड़ी विकास कार्यक्रमों का अवलोकन

दैनिक नवज्योति

राजस्थान पत्रिका
14.03.2015

बांसवाड़ा। वाड़ी विकास कार्यक्रम अन्तर्गत ग्रामीण कृषकों से संवाद करते अधिकारी।

विकास कार्यों को किया निरीक्षण

बांसवाड़ा. नाबार्ड, जयपुर के उपमहाप्रबंधक सुरेन्द्र बाबु ने शुक्रवार को जिले में नाबार्ड द्वारा अनुपूनित एवं ग्रामीण विकास ट्रस्ट की ओर से संचालित वाड़ी विकास कार्यों का अवलोकन किया। जिला कार्यक्रम प्रबंधक एच.के.तोमर ने बताया कि बाबु ने वड़लीपाड़ा, सोडलीया, डामरवासा, लिमखोरा, हडमतीया आदि गांवों में विकास कार्यों अवलोकन कर किसानों से चर्चा की।

दृढ़ इच्छा शक्ति से कार्य करें

न्यूज सर्विस/नवज्योति, बांसवाड़ा

नाबार्ड द्वारा अनुदानित एवं ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा संचालित वाड़ी विकास कार्यक्रमों का अवलोकन नाबार्ड जयपुर के उप महाप्रबन्धक डॉ. सुरेन्द्र बाबू ने किया। इस दौरान गांव वड़लीपाड़ा में किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ. सुरेन्द्र बाबु ने किसानों को अपनी सोच एवं समझ में बदलाव कर दृढ़ इच्छा शक्ति से कार्य कर अपने परिवार एवं राष्ट्र के विकास में भागीदारी बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नाबार्ड वाड़ी कार्यक्रम केवल पौधारोपण कार्यक्रम ही नहीं इसके साथ शिक्षा, स्वास्थ, रोजगार, पशुपालन, फसल उत्पादन में सकारात्मक बदलाव का कार्यक्रम है, जिससे परिवार की सामाजिक एवं आर्थिक वृद्धि हो। डॉ. सुरेन्द्र बाबु ने किसानों को नाबार्ड द्वारा किये जा रहे विकासात्मक कार्यों का उदाहरण देते हुए बताया कि झांसी जिले में स्वयं सहायता समूह के महिलाओं एवं किसान क्लबो के द्वारा माला निर्माण व होसंगाबाद में मुर्गी पालन एवं कृषि रक्षा ईकाइ अन्तर्गत दुकान से महिलाएं 50000 से अधिक आय कर रही है। अतः हमें खेती के साथ-साथ अन्य गतिविधियो से जुड़कर सरकार एवं नाबार्ड की योजनाओं से लाभान्वित होना होगा। डॉ. सुरेन्द्र बाबु ने जिले में वड़लीपाड़ा, सोडलीया, डामरवासा, लिमखोरा व हडमतीया आदि गांवो में वाड़ी अन्तर्गत किए गए वाड़ीया, सब्जी उत्पादन जल प्रबन्धन आदि कार्यों का अवलोकन कर किसानों से चर्चा की। अवलोकन के दौरान वड़लीपाड़ा के किसान सेवला भाई ने बताया की 2010 में उसने वाड़ी परियोजना अन्तर्गत 35 आम व निम्बू के पौधे लगाये वर्तमान में सभी जीवित है तथा उसने वर्तमान में टमाटर से लगभग 15000 रु. आय प्राप्त की। इस दौरान ग्रामीण विकास ट्रस्ट के जिला कार्यक्रम प्रबन्धक एचके तोमर ने स्वागत करते हुए नाबार्ड के सहयोग से संस्था द्वारा संचालित वाड़ी परियोजना के सम्बन्ध में बताया। इस अवसर पर कार्यक्रम प्रबन्धक उदयलाल गुर्जर, जिला परियोजना समन्वयक दुर्गेश त्रिपाठी, वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी नरेन्द्र नागर, कार्यक्रम अधिकारी अनिल जैन, दिनेश जैन,जीतमल आदि मौजूद थे।

वाड़ी विकास कार्यक्रमों का अवलोकन

अर्जेन्ट टाईम्स

डूंगरपुर, शनिवार 14 मार्च - 2015

सोच व समझ में लाए परिवर्तन, राष्ट्र विकास के लिए दृढ इच्छा शक्ति रखे : डा. सुरेंद्र

बांसवाड़ा। नाबार्ड जयपुर के उपमहाप्रबंधक डा. सुरेंद्रबाबु ने कहा है कि किसान भाई अपनी सोच व समझ में परिवर्तन लाए एवं दृढ़ इच्छाशक्ति से कार्य करे ताकि राष्ट्र का विकास हो सके। डा. सुरेंद्र शुक्रवार को जिले के वडलीपाड़ा में आयोजित किसान गोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा संचालित वाडी विकास कार्यक्रमों का भी अवलोकन किया।

गोष्ठी को संबोधित करते हुए डा. सुरेंद्र ने कहा कि नाबार्ड वाड़ी कार्यक्रम केवल पौधा रोपण कार्यक्रम ही नहीं है अपितु यह शिक्षा, स्वास्थ, रोजगार, पशुपालन, फसल उत्पादन में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्यक्रम है जिससे परिवार की सामाजिक एवं आर्थिक वृद्धि हो। उन्होंने किसानों को नाबार्ड द्वारा किये जा रहे विकास कार्यों का उदाहरण देते हुए बताया कि झांसी जिले में स्वयं सहायता समूह के महिलाओं एवं किसान क्लबो के द्वारा माला निर्माण व होसंगाबाद में मुर्गी पालन एवं कृषि रक्षा ईकाइ अन्तर्गत दुकान से महिलाए 50000 से अधिक आय कर रही है। उन्होंने खेती के साथ-साथ अन्य गतिविधियो से जुडकर सरकार एवं नाबार्ड की योजनाओ का लाभ लेने का आह्वान किया। डॉ. सुरेन्द्र बाबु ने जिले में वडलीपाड़ा, सोडलीया, डामरवासा, लिमखोरा व हडमतीया आदि गांवो में वाड़ी अन्तर्गत किए गए वाड़ीया, सब्जी उत्पादन जल प्रबन्धन आदि कार्यो का अवलोकन कर किसानों से चर्चा की। अवलोकन के दौरान वडलीपाड़ा के किसान सेवला भाई ने बताया की 2010 में मैने वाड़ी परियोजना अन्तर्गत 35 आम व निम्बू के पौधे लगाये वर्तमान में सभी जीवित है तथा मैने वर्तमान में टमाटर से लगभग 15000 रु. आय प्राप्त की है।

इस दौरान ग्रामीण विकास ट्रस्ट के जिला कार्यक्रम प्रबन्धक एच. के. तोमर ने उपस्थित सभी अधिकारीयो का स्वागत किया एवं नाबार्ड के सहयोग से संस्था द्वारा संचालित वाड़ी परियोजना के सम्बन्ध में विस्तार से बताया। आयोजन में उदयलाल गुर्जर कार्यक्रम प्रबन्धक, दुर्गेश त्रिपाठी जिला परियोजना समन्वयक, नरेन्द्र नागर वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी, अनिल जैन कार्यक्रम अधिकारी, दिनेश जैन, नानुराम, दिनेश, जीतमल, आदि ने भाग लिया।

नई तकनीक से पैदावार बढ़ाने की दी सीख

बांसवाड़ा,नाबार्ड द्वारा अनुदानित व ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा संचालित वाड़ी विकास कार्यक्रमों का नाबार्ड जयपुर के उपमहाप्रबंधक डॉ. सुरेंद्र बाबु ने अवलोकन किया। इस दौरान गांव वड़लीपाड़ा में हुई गोष्ठी में उन्होंने किसानों को खेती के साथ ही नाबार्ड की योजनाओं के माध्यम से अन्य गतिविधियों से जुड़कर लाभ उठाने व कमाई बढ़ाने की सलाह दी। उन्होंने सोडलिया, डामरवासा, लिमखोरा व हडमतिया गांवों में भी वाड़ी के अंतर्गत किए गए कार्यो को देखा। इस दौरान जिला कार्यक्रम प्रबंधक एचके तोमर, उदयलाल गुर्जर, दुर्गेश त्रिपाठी, नरेंद्र नागर, अनिल जैन, दिनेश जैन, नानूराम, जीतमल मौजूद थे।

दैनिक भास्कर

बांसवाड़ा, रविवार 14 मार्च, 2015